

अथ

11.6.25 पत्राठ पेश करी, आपी. 4 उसके आगे 'उप. नरी' /
 आपी, व उसके आगे जो 2-3 बार आवाज किम्प
 करी लेकिन कोई उप. नहीं आया / आदातत सप सप
 के रूप आपी. 4 उसके आगे जो पुनः आवाज किम्प
 करी किन्तु कोई उप. नहीं आया / अर्थात् सप सप
 सप सप आपी, के आगे ही आती है / पत्राठ के
 अन्त में बाद में तभी वाक्य कहे

अति. स. आशुका
 कोटा